मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 106, मुंबई, गुरुवार, 26 मई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI
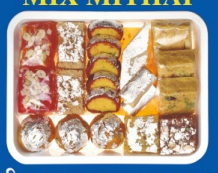
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP: www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W),Tel. : 288 99 501.

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने जारी किया नया फरमान

मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर बैठने वाले के लिए भी हेलमेट जरुरी

मुंबई। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को अधिसूचना जारी कर दोपहिया वाहनों की पिछली सीट पर बैठने वालों के लिए हेलमेट अनिवार्य कर दिया है। साथ ही इस नियम का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गयी है। एक अधिकारी ने बताया कि यह नियम 15 दिनों बाद प्रभाव में आ जाएगा। जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस अधिकारी उल्लंघनकर्ताओं के विरूद्ध कार्रवाई शुरू कर देंगे। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

नियम तोड़ने वालों पर लगेगा जुर्माना

1) यदि वाहन चालक ने हेलमेट पहना हुआ लेकिन उसका बकल खुला हुआ हो इस पर भी एक हजार का जुर्माना लगाया जाएगा।

2) यदि हेलमेट भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणित नहीं है तो आपसे हजार रुपए का जुर्माना वसूला जा सकता है।

3) अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन जैसे लाल बत्ती पार करने पर हेलमेट पहनने के बावजूद दो हजार का दंड वसूला जा सकता है।

मुक्केबाजी में 'विश्व चैंपियन' बनी भारत की 'निकहत जरीन' को अभी तक नहीं किया गया सम्मानित

महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे सरकार से मांग, निकहत जरीन जैसी होनहार लड़की का प्रोत्साहन राशि देकर किया जाये सम्मान

मुंबई। हाल ही में तुर्की के इस्तांबुल में हुए मुक्केबाजी में 'विश्व चैंपियन' बनी भारत की 'निकहत जरीन' को अभी तक किसी ने भी कोई पुरस्कार राशि या प्रोत्साहन के लिए कोई भी घोषणा नहीं की गई है। कुछ अजीब बात नहीं लग रही? जबकि जिला और प्रदेश स्तर पर जीतती फोगाट्स बहनों पर इनामों की बारिश हो जाती थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

चौंकाने वाले खुलासे

पाकिस्तान में बैठा दाऊद इब्राहिम हर महीने परिवार को भेजता है 10 लाख

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर इन दिनों अहम खुलासे हो रहे हैं। उसके भांजे अलीशाह पारकर ने ईडी को यह बताया था कि उसका मामा दाऊद पाकिस्तान के कराची में रहता है। हालांकि परिवार का अब उससे कोई संबंध नहीं है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दाऊद के नाम पर होता था प्रॉपर्टी पर कब्जा

खालिद उस्मान शेख का भाई इकबाल कासकर का बचपन का दोस्त था। हालांकि उसकी एक गैंगवार में मौत हो गयी थी। वह हसीना पारकर का ड्राइवर और बॉडीगार्ड दोनों था। उसे लोग नाम सलीम पटेल के नाम से जानते थे। खालिद ने ईडी को यह भी बताया कि एक बार सलीम ने बताया था कि वो वो और हसीना पारकर दाऊद के नाम पर लोगों से हफ्ता वसूली करते थे और प्रॉपर्टी पर भी कब्जा करते थे। ईडी का आरोप है कि सलीम पटेल और हसीना पारकर ने मिलकर गोवावाला कंपाउंड को भी अवैध रूप से कब्जा किया था। जिसे उन्होंने बाद में नवाब मलिक को बेच दिया था।

एबीपीएसएस के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य कवर के लिए एबीपीएसएस द्वारा किए गए एमओयू पर हस्ताक्षर

PARUL SEVASHRAM HOSPITAL
AFFILIATED TO PARUL INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES & RESEARCH
PARUL UNIVERSITY
MEMORANDUM OF UNDERSTANDING
(Service MOU)
BETWEEN
PARUL SEVASHRAM HOSPITAL(Affiliated to Parul Institute of Medical Sciences & Research), WAGHODIA,
AND
ALL INDIA JOURNALIST PROTECTION COUNCIL, RAJKOT (GUJARAT)
(AKHIL BHARTIYA PATRAKAR SURAKSHA SAMITI (ABPSS))

वडोदरा। वाघोडिया (वडोदरा) में पारुल सेवाश्रम अस्पताल के साथ अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) का (एमओयू) हुआ। जिसमें पारुल सेवाश्रम अस्पताल पत्रकार और उनके परिवार के सदस्यों के लिए एबीपीएसएस संगठन से जुड़े गुजरात के सभी सदस्यों को सेवा प्रदान करेगा और कई सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

विषमता की महामारी

अक्सर कहा जाता है कि वायरस कभी भेदभाव नहीं करता। कोई महामारी जब फैलती है, तो अमीर-गरीब सबको अपना शिकार बनाती है। लेकिन जो महामारी के वायरस का सच है, वही वैश्विक अर्थव्यवस्था का सच नहीं है। तमाम रिपोर्टें बताती हैं कि महामारी के कारण पैदा हुए हालात ने अलग-अलग वर्ग और समाज को अलग-अलग तरह से प्रभावित किया है। इसने कुछ लोगों को नए अवसर दिए, तो कई सारे लोगों के अवसर लंबे समय के लिए छीन लिए। इस सिलसिले में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के संगठन ऑक्सफैम ने एक विस्तृत अध्ययन के बाद यह बताया है कि महामारी के बाद के दो साल में दुनिया में आर्थिक गैर-बराबरी काफी तेजी से बढ़ी है। इस दौर ने जहां एक तरफ 26 करोड़ से अधिक लोगों के लिए भुखमरी के हालात पैदा कर दिए हैं, तो वहीं दुनिया को हर 33 घंटे में एक नया अरबपति दिया है। बेशक, पिछले दो साल में महामारी और लॉकडाउन वगैरह से पूरी दुनिया की विकास दर काफी ज्यादा गिरी है। परंपरागत आर्थिक सोच यही कहती है कि इसका नुकसान सभी को होना चाहिए था- अमीरों को भी और गरीबों को भी। लेकिन तमाम अध्ययन और शोध यही बताते हैं कि नुकसान का ज्यादातर हिस्सा गरीबों के पाले में ही आया है, जबकि अमीर इससे तकरीबन बच ही गए, बल्कि कुछ को तो इस हालात ने और अधिक मालामाल कर दिया। यह सच है कि भारत ने हालात का मुकाबला जिस तरह से किया, उसने एक बहुत बड़ी आबादी को भुखमरी का शिकार होने से बचाया। 80 करोड़ लोगों को लंबे समय तक मुफ्त अनाज उपलब्ध कराने का कोई दूसरा उदाहरण दुनिया में नहीं है। पिछले दिनों विश्व मुद्रा कोष तक ने इसके लिए भारत की तारीफ की थी। लेकिन इसके आगे के जो हालात हैं, वे काफी उलझे हुए हैं। कुछ दिनों पहले आई 'वर्ल्ड इनिक्वैलिटी लैब' की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे ज्यादा विषमता अगर कहीं है, तो वह भारत में ही है। तकरीबन यही बात अब ऑक्सफैम की रिपोर्ट ने भी कही है। इस दौरान भारत में हर 11 दिन में एक नया व्यक्ति अरबपति बना है। 2020 में अरबपतियों की फोर्ब्स पत्रिका की सूची में 102 भारतीयों के नाम थे, पर 2022 में इनकी संख्या बढ़कर 166 हो गई। अरबपतियों के मामले में भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच चुका है। गरीबों की संख्या के मामले में तो यह पहले नंबर पर है ही। अब जरा एक नजर उस दौर पर भी डाल लें, जब कोरोना वायरस ने एक महामारी के रूप में हमारे जीवन में प्रवेश नहीं किया था। गरीबी तब भी थी और दुनिया के बहुत सारे हिस्सों में आर्थिक विषमता भी बढ़ रही थी। महामारी से एक सीधा फर्क यह पड़ा कि समाज की बहुत सारी सच्चाइयां, जिनसे हम मुंह फेर लेते थे, कोरोना ने उन्हें हमारी आंखों के सामने ला खड़ा किया। मसलन, इस वैश्विक महामारी ने बताया कि हमारी स्वास्थ्य सेवाएं कितनी अक्षम व अपर्याप्त हैं और संकट के समय लोगों को सीधी मदद देने में ये असमर्थ हैं। इसी तरह, महामारी ने यह भी बताया कि हमारी वे आर्थिक नीतियां कितनी अक्षम व अपर्याप्त हैं, जिनके सहारे हम गरीबी-उन्मूलन के सपने देखते हैं! जब बड़ा आर्थिक संकट आया, तब उन तमाम नीतियों के बावजूद सबसे ज्यादा नुकसान गरीब वर्ग को ही उठाना पड़ा। दुर्भाग्य यह है कि दुनिया अब भी अपना रास्ता बदलने को तैयार नहीं दिख रही है। वह अब भी पुरानी लकीर पर ही चल रही है।

एमएसपी की गारंटी का क्या हुआ?

यह भी ध्यान रखने की बात है कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। उसकी समय सीमा निकल गई है। इस दौरान किसानों की आय की बजाय कृषि लागत में बढ़ोतरी हुई है। इन सभी मसलों पर सार्थक पहल तभी हो सकती है, जब सरकार अपने वादे के मुताबिक एमएसपी पर विचार करने वाली कमेटी बनाए, उसमें संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों को शामिल करके सकारात्मक चर्चा शुरू करे। यह भी जरूरी है कि सरकार सिर्फ कारोबारियों या उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए कृषि कानूनों पर चर्चा न करे।

किसानों को अपना आंदोलन खत्म किए हुए साढ़े पांच महीने हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार के बनाए तीनों कृषि कानूनों को खत्म करने की घोषणा के साथ ही वादा किया था कि सरकार एक कमेटी बनाएगी, जो न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी को कानूनी गारंटी देने के मसले पर विचार करेगी। एक साल तक चले किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संयुक्त किसान मोर्चे और सरकारी प्रतिनिधियों को मिला कर एक कमेटी बनाई जानी थी। प्रधानमंत्री ने 19 नवंबर 2021 को एमएसपी और अन्य मामले पर विचार के लिए कमेटी बनाने की घोषणा की थी। फिर किसानों का आंदोलन खत्म कराने के लिए सरकार की ओर से नौ दिसंबर 2021 को दिए गए आश्वासन पत्र में भी इसे शामिल किया गया था। लेकिन साढ़े पांच महीने बीत जाने के बाद भी न कमेटी बनी है और न एमएसपी की कानूनी गारंटी सुनिश्चित की गई है। इस बीच रबी की एक फसल बिक भी गई।

ऐसा लग रहा है कि सरकार का मकसद किसानों का आंदोलन खत्म कराना था क्योंकि जनवरी 2022 में उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने वाली थी। सरकार नहीं चाहती थी कि चुनाव के दौरान किसान आंदोलन चलता रहे। सरकार को यह भी पता था कि एक बार किसान आंदोलन समाप्त करके उठ गए तो उसी मसले पर दोबारा आंदोलन करना मुश्किल होगा। इस तरह के आंदोलन काठ की हांडी की तरह होते हैं। हाल के उदाहरण देखें तो अन्ना हजारे से लेकर अरविंद केजरीवाल और रामदेव तक कोई भी दोबारा आंदोलन नहीं खड़ा कर पाया। सो, एक साल से धरने पर बैठे किसानों ने जैसे ही दिल्ली की घेराबंदी खत्म की और आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया वैसे ही सरकार का मकसद पूरा हो गया। यह सही है कि एक साल के आंदोलन में किसान भी थक गए थे लेकिन वे पूरी तरह से एक राजनीतिक दांव का शिकार हुए। तभी आंदोलन खत्म होने के साढ़े पांच महीने बाद भी किसान इस बात के लिए भटक रहे हैं कि एमएसपी की गारंटी देने का कानून कब और कैसे बनेगा। इस बीच यह विमर्श गढ़ने का प्रयास शुरू हो गया है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी की जरूरत क्या है, जब किसान एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज बेच रहे हैं। इस प्रचार को किसानों को हलके में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह अनायास होने वाला प्रचार नहीं है, बल्कि सुनियोजित तरीके से प्रचारित किया जा रहा है कि मंडियों में किसानों को एमएसपी से ज्यादा गेहूं की कीमत मिल रही है। पंजाब और हरियाणा से कई ऐसी लंबी लंबी रिपोर्ट्स अखबारों में छपीं है, जिनमें बताया गया कि किसानों ने अपने आढ़तियों की मदद से एमएसपी से ज्यादा कीमत पर गेहूं बेचा। अव्वल तो किसानों को ज्यादातर जगहों पर एमएसपी से ज्यादा दाम नहीं मिले। जहां मिले वहां प्रति क्विंटल 2,015 रुपए की एमएसपी से पांच से 15 रुपए ज्यादा मिले। इसके अलावा हकीकत यह है कि रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध की वजह से गेहूं का निर्यात प्रभावित हुआ है, जिसकी वजह से निजी कारोबारियों ने जम कर गेहूं की खरीद की और उसकी वजह से गेहूं की कुछ ज्यादा कीमत मिल गई। हर साल या हर फसल के लिए ऐसी स्थिति नहीं होने वाली है।

लेकिन इस आधार पर यह प्रचार किया जा रहा है कि एमएसपी की जरूरत ही क्या है, जब निजी कारोबारी उससे ज्यादा दाम देकर अनाज खरीद रहे हैं। असल में यह किसानों को मुसीबत में डालने वाला प्रचार है। किसानों को इस झांसे में नहीं आना चाहिए कि उनको खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत मिल जाएगी। यह असल में मंडियों का सिस्टम कमजोर करने और उसे खत्म करने की योजना का हिस्सा है। जब तक मंडियां हैं और एमएसपी का सिस्टम है तभी तक बाजार की ताकत के सामने किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी। इनके खत्म होते ही किसान निजी कारोबारियों के रहमोकरम पर होंगे। फिर निजी कारोबारी अपने हिसाब से अनाज की कीमत तय करेंगे और मनमाने तरीके से खरीद करेंगे। खरीद से पहले अनाज की क्वालिटी भी वे खुद तय करेंगे। किसानों के आंदोलन और राजनीतिक दबाव में केंद्र सरकार ने आवश्यक वस्तु कानून को खत्म करने वाले कानून को निरस्त कर दिया। इसके बावजूद उसका खतरा किसानों के सामने मौजूद है। अगर निजी कारोबारियों ने बड़ी मात्रा में कोई अनाज खरीद कर उसका भंडार किया और उसी फसल को अगली सीजन से पहले अपने गोदाम में रखा अनाज बाजार में निकाल दिया तो क्या होगा? फिर तो अनाज की कीमत बुरी तरह से गिरेगी और किसान को सस्ती कीमत पर अनाज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उस समय मंडियों की व्यवस्था और न्यूनतम समर्थन मूल्य से ही उनका बचाव हो पाएगा। एमएसपी की जरूरत इस वजह से भी है कि देश के ज्यादातर राज्यों में मंडी और सरकारी खरीद का सिस्टम नहीं है। जैसे बिहार में मंडियों की व्यवस्था खत्म कर दी गई है और किसान निजी कारोबारियों की खरीद पर ही निर्भर हैं। ऐसी जगहों पर किसानों को अच्छी कीमत नहीं मिल पाती है। अगर एमएसपी की गारंटी का कानून बने और यह व्यवस्था हो कि मंडी में या मंडी से बाहर कहीं भी कोई भी कारोबारी एमएसपी से कम दाम पर अनाज नहीं खरीद पाएगा तभी किसानों का बचाव संभव है।

एक बार एमएसपी की गारंटी के कानून पर चर्चा के लिए कमेटी बने और उस पर विचार विमर्श शुरू हो तो इससे जुड़े दूसरे मुद्दे भी उठेंगे। एमएसपी की कानूनी गारंटी से जुड़े दो और मुद्दे खास हैं। एक तो एमएसपी तय करने का तरीका और दूसरा एमएसपी कानून के दायरे में आने वाली उपज की संख्या बढ़ाना। एमएसपी तय करने के मामले में बरसों से एमएस स्वामीनाथन फॉर्मूले की चर्चा होती है। उन्होंने एक फॉर्मूला बताया है, जिसमें उन्होंने खेती में लगने वाली लागत यानी खाद, बीज, सिंचाई आदि के साथ साथ किसान और उसके परिवार का मेहनताना और जमीन का किराया भी शामिल किया है। ए2 प्लस एफएल और सी2 फॉर्मूला सबसे व्यापक आधार है, जिस पर एमएसपी तय की जानी चाहिए। इसके अलावा अभी सरकार 23 फसलों की ही एमएसपी तय करती है। किसान इसे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। यह भी ध्यान रखने की बात है कि प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। उसकी समय सीमा निकल गई है। इस दौरान किसानों की आय की बजाय कृषि लागत में बढ़ोतरी हुई है। इन सभी मसलों पर सार्थक पहल तभी हो सकती है, जब सरकार अपने वादे के मुताबिक एमएसपी पर विचार करने वाली कमेटी बनाए, उसमें संयुक्त किसान मोर्चा के प्रतिनिधियों को शामिल करके सकारात्मक चर्चा शुरू करे। यह भी जरूरी है कि सरकार सिर्फ कारोबारियों या उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए कृषि कानूनों पर चर्चा न करे।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

लूटपाट चोरी जैसी संगीन वारदात को अंजाम देने वाले नशेड़ी युवक को शील डायगर पुलिस ने किया दस घंटों के भीतर गिरफ्तार

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। शील डायगर पुलिस ने लूटपाट जैसे संगीन वारदात को अंजाम देने वाले नशेड़ी युवक को 10 घंटों के भीतर गिरफ्तार करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में शील डायगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गावडे द्वारा ली गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि गत 23 मई सोमवार रात 1:30 बजे अंधेरी परिसर से एक रिक्शा चालक भाड़ा लेकर पडले गांव से वापस जा रहा था तभी रास्ते में कुछ अज्ञात युवकों ने रिक्शा चालक पर हमला कर दिय उसे चौपर दिखाकर उसकी रिक्शा मोबाइल और नकद पैसे लूट लिए गए रिक्शा चालक द्वारा इस मारपीट की और उसके साथ हुई लूट की और चोरी की गई रिक्शा की शिकायत शील डायगर पुलिस स्टेशन में की मामले की गंभीरता को समझते हुए सबसे पहले रिक्शा चालक को उपचार हेतु सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया और उसके बाद शिकायतकर्ता विवेकानंद मुकुंद लाल गुप्ता की शिकायत पर अज्ञात युवक के खिलाफ गु.रजि. क्र 152/2022 भारतीय दंड संहिता सीआरपीसी आईपीसी की धारा 394, 504, 506, 34 और आर्म्स एक्ट की धारा 4,24 सह महाराष्ट्र पुलिस कायदा कलम के अनुसार 37(1),139 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया उसके बाद शील डायगर पुलिस के सहायक पुलिस निरीक्षक कापडणीस, सहायक पुलिस निरीक्षक सकपाल और उनकी टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में सरगर्मी से इसकी छानबीन शुरू कर दी है छानबीन के दौरान गुप्त सूचना आरोपी के विषय में प्राप्त की गई और अधिक जानकारी हासिल करने के बाद पुलिस को यह गुप्त जानकारी मिली कि आरोपी में से एक आरोपी पडले नाका की तरफ आने वाला है पुलिस ने अपना जाल बिछाकर आरोपी का इंतजार करने में जुट गई पुलिस द्वारा एक युवक को सुजुकी कंपनी एक्सेस मोटरसाइकिल पर सवार युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया सवाल जवाब करने पर

उटपटांग जवाब देने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी किया हुआ ओप्पो कंपनी रेनो प्रो 3 मॉडल का मोबाइल और चोरी किए गए नकद राशि 550 रुपए पुलिस ने तलाशी के दौरान बरामद किए जो गाड़ी पुलिस ने अपने ताबे मे ली उस मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी उस गाड़ी की तलाशी लेने के बाद उसकी डिक्की में से एक लोखंड का चॉपर बरामद किया उससे और पूछताछ करने के बाद यह जानकारी मिली के मोटरसाइकिल और चॉपर वह अपने द्वारा किए जा रहे अपराध के लिए इस्तेमाल किया करते थे उस गाड़ी की चैसी नंबर से जानकारी हासिल करने पर पुलिस को यह पता लगा लिया यह गाड़ी नौपाड़ा से चोरी की गई है और नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में इस आरोपी के विरुद्ध में गु.रजि.क्र 309/2021 भारतीय दंड संहिता कलम की धारा 379 के तहत मामला दर्ज किया गया है पुलिस ने इस मामले में जिस आरोपी को गिरफ्तार किया है उसका नाम गौरांग आनंद चौधरी वर्ष 20 रहिवासी शशिकांत अपार्टमेंट रूम नंबर 204 दूसरा मंजिला हिस मंदिर, कलवा पश्चिम जिला थाने मूल रहवासी खोसले, तांबा शहपूर, जिला थाने पुलिस द्वारा यह आरोपी से बरामद किया गया एक मोबाइल नकद राशि लोखंड का चॉपर और चोरी की गई नौपाड़ा से मोटरसाइकिल और बरामद की गई चोरी की रिक्शा क्रं MH02CT6764 कुल मिलाकर पुलिस ने 1,20,850/-रुपए कीमत का मालमुद्दा इस आरोपी के पास से बरामद किया शील डायगर पुलिस स्टेशन द्वारा की गई इस कार्रवाई में थाने पुलिस आयुक्तालय के परिमंडल जोन एक के उपायुक्त अविनाश अंबुरे, सहायक पुलिस आयुक्त श्री व्यंकट आंधळे कलवा विभाग, शील डायगर पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सचिन गावडे, पुलिस निरीक्षक मुजावर, पुलिस निरीक्षक रामचंद्र मोहिते, पुलिस निरीक्षक सुधाकर यादव, शील डायगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक के मार्गदर्शन में डिटेक्शन ब्रांच के कापडणीस, सहायक पुलिस निरीक्षक सकपाल, पुलिस हवलदार गायकवाड, पुलिस हवलदार हेमंत भामरे, पुलिस नाइक गोविंद पाटील, पुलिस नाईक राकेश सत्रे, पुलिस नाईक सचिन कोली, पुलिस नाइक सुशांत पाटिल, पुलिस नाईक कृष्णा बोराडे, पुलिस नाईक प्रदीप कांबले, पुलिस नाईक समाधान माली, पुलिस सिपाही राजेंद्र सोनवणे, पुलिस सिपाही अक्षय पाडले, उनकी टीम द्वारा जानकारी मिलने पर आरोपी को 10 घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया उस आरोपी द्वारा किए गए दो और अपराधों का पर्दाफाश किया गया शील डायगर पुलिस द्वारा 10 घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार करने पर शहर में पुलिस की प्रशंसा की जा रही है कि अगर इस तरह की कार्रवाई को पुलिस अंजाम देती रहे तो बहुत जल्द क्राइम मुक्त शहर हो जाएगा।

'तारीख पर तारीख'...अब 36 साल बाद मिली रिहाई, मुंबई के 2 रेल कर्मचारी चोरी के मामले में हुए बरी

मुंबई। रेल संपत्ति की मामूली चोरी के आरोप में पश्चिम रेलवे के दो पूर्व कर्मचारी 36 साल बाद आखिरकार निर्दोष साबित हुए। उन्हें आरोपों से बरी कर दिया गया। हालांकि, पूरा मामला न्याय में देरी का एक चौंकाने वाला उदाहरण है। वकील महेंद्र डी. जैन ने कहा कि दोनों कर्मचारी जो अब काफी बुजुर्ग हो गए हैं, उन्हें 36 साल बाद बरी किया गया है। इनके नाम मुंबई में जोगेश्वरी के जावर बच्चूभाई मर्चेंट और उत्तर प्रदेश के गजधर प्रसाद वर्मा हैं। मुंबई सेंट्रल के 36वें कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जे.सी. ढेंगले ने 30 मार्च को फैसला सुनाते हुए दोनों को बरी किया। यह मर्चेंट के लिए एक लंबे समय से

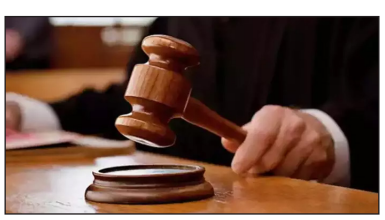

प्रतीक्षित 'जन्मदिन का उपहार' भी बन गया। ऐसा इसलिए क्योंकि उनका जन्म 30 मार्च 1947 को हुआ था। उन्हें पश्चिम रेलवे के महालक्ष्मी डिपो से कुछ तांबे के केबल और लकड़ी के तख्ते चोरी करने के आरोप में तीन अन्य आरोपियों के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए तीन आरोपियों में अरुण एफ. पारिख, सचिन पी. पारिख और रमेश रमाकांत कदले शामिल थे। जिन्हें 3 मार्च 1986 को गिरफ्तार किया गया था। उनके वकील ने कहा कि उन्हें रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अरेस्ट किया था। रेलवे संपत्ति (गैरकानूनी कब्जा) अधिनियम, 1966 के तहत संबंधित धाराओं के तहत दोषी साबित होने पर अधिकतम 5 साल की सजा का प्रावधान किया गया था। मुकदमे के शुरूआती चरण में आरोपी अरुण एफ. पारिख, सचिन पी. पारिख को दोषी ठहराया गया और उन्हें एक महीने की जेल की सजा सुनाई गई। एक आरोपी रमेश रमाकांत कदले को मामले से बरी कर दिया गया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर बैठने वाले के लिए भी हेलमेट जरुरी

अधिसूचना के अनुसार यातायात पुलिस ने पाया है कि दोपहिया वाहनों की पिछली सीट पर बैठने वाले ज्यादातर लोग हेलमेट नहीं पहनते हैं और यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। फिलहाल जो लोग अब इस नियम का पालन नहीं करेंगे उन्हें पकडे जाने पर जुर्माना भी चुकाना भरना होगा। अब तक बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस 500 रुपये का जुर्माना लगाती है या उनका लाइसेंस रद्द कर देती है। अब 15 दिन बाद पिछली सीट पर बिना हेलमेट के बैठने वालों पर भी इतना ही जुर्माना लगेगा। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक अगर इस नियम का पालन मोटरसाइकिल सवार नहीं करता है तो उनका लाइसेंस भी तीन महीने के लिए रद्द किया जा सकता है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा लाया गया या नियम सरकार द्वारा हाल ही में 1998 के मोटर वाहन अधिनियम को संशोधित करने के बाद सामने आया है। जिसमें दो पहिया वाहन चालकों और सवारों के लिए ठीक से हेलमेट नहीं पहनने पर दो हजार तक का तत्काल जुर्माना जोड़ा गया है। संशोधन के मुताबिक कुछ खास परिस्थितियों में दो हजार तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

मुक्केबाजी में 'विश्व चैंपियन' बनी भारत की 'निकहत जरीन' को अभी तक नहीं किया गया सम्मानित

काई सरकार नौकरी देता सुनाई देता था तो कोई उद्योगपति, नेता, अभिनेता कुछ लाख और करोड़ों की राशि देने के लिए तत्पर होते थे, मगर निकहत जरीन के लिए सिर्फ ट्विटर पर उनका नाम वायरल होना और सलमान खान के एक ट्वीट के साथ पीएम मोदी का एक बधाई ट्विट हिस्से में बस दिखाई देना कुछ अजीब नहीं लगा? क्यूं नहीं पीवी सिंधु और मैरी कॉम की तरह निकहत जरीन की प्रशंसा हुई? और शेक्सपीयर कहते हैं कि 'नाम में क्या रखा है'? शेक्सपीयर मियां अपने नाम के आगे खान लगा कर देखो और फिर समझो आज न्यु इंडिया में नाम में ही सब कुछ रखा हुआ है। महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे सरकार से यह मांग है कि निकहत जरीन जैसी होनहार लड़की को पुरस्कार देकर सम्मानित करें।

एबीपीएसएस के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य कवर के लिए एबीपीएसएस द्वारा एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए

जिसमें अस्पताल की मुख्य परिचालन अधिकारी एकता मोदी के साथ मीटिंग के साथ ही एमओयू का लिखित कार्य सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इस एमओयू के संचालन में एबीपीएसएस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजयसिंह परमार, गुजरात प्रदेश महासचिव भावेश मुलानी, गुजरात प्रदेश मंत्री स्नेहल परमार, गुजरात प्रदेश मंत्री नीरव पंड्या, भरूच जिला उपाध्यक्ष शैलेश परमार, पारुल सेवाश्रम अस्पताल विपणन प्रबंधक नितिन शर्मा, पारुल अस्पताल पी.आर.ओ पंकज पाटनवाडिया भी मौजूद रहे।

चौंकाने वाले खुलासे...

महाराष्ट्र के कैबिनेट मिनिस्टर नवाब मलिक के खिलाफ चल रहे मनी लॉन्ड्रिंग केस की जांच में पूछताछ के दौरान एक गवाह खालिद उस्मान शेख ने ईडी को अहम जानकारी दी थी। खालिद ने ईडी को बताया था कि उसे दाऊद के छोटे भाई इकबाल कासकर ने बताया था कि दाऊद परिवार के खर्च के लिए हर महीने दस लाख रुपये भेजता है। खालिद के मुताबिक इकबाल कासकर ने यह भी बताया था कि दाऊद अपने किसी आदमी के जरिए इन पैसों को भिजवाता है। इकबाल ने यह भी बताया था कि उसे भी हर महीने दस लाख रुपए मिलते हैं। कई मौकों पर उसने मुझे यह पैसे दिखाए भी हैं। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर, भांजे अलीशाह पारकर समेत कई अन्य गवाहों ईडी को यह बताया है कि दाऊद पाकिस्तान के कराची में रहता है। इकबाल कासकर के मुताबिक दाऊद और उसकी पत्नी महजबीन के पांच बच्चे हैं। बेटे का नाम मोइन है। जबकि सभी बेटियों की शादी हो चुकी है। उसके बेटे की भी शादी हो चुकी है। इकबाल को एक्सटॉर्शन और मनी लांड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। कासकर ने यह भी बताया कि 1993 बम धमाकों का आरोपी और दाऊद का दूसरा भाई अनीस इब्राहिम भी पाकिस्तान में रहता है।

यासीन मलिक को ताउम्र कैद

2 मामलों में आजीवन कारावास

सभी सजाएं साथ चलेंगी, 10 लाख का जुर्माना भी

मुंबई हलचल / संवाददाता

नई दिल्ली/श्रीनगर। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को एनआईए कोर्ट ने टेरर फंडिंग केस में उम्रकैद की सजा सुनाई। एनआईए के वकील उमेश शर्मा ने बताया- यासीन को दो मामलों में उम्रकैद और 10 मामलों में 10 साल सजा सुनाई गई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इसके अलावा इस अलगाववादी नेता को 10 लाख रुपए जुर्माना भरना होगा। यासीन पर पाकिस्तान के समर्थन से कश्मीर में आतंकी हमलों के लिए फंडिंग और आर्तिकयों को हथियार मुहैया कराने से जुड़े कई केस दर्ज थे। यासीन को सजा के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने दिल्ली- एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है।

फांसी से बचा तो वकील को गले लगा लिया

सजा सुनने के बाद यासीन ने अपने वकील एपी सिंह को गले लगाया। सजा के ऐलान से पहले पटियाला हाउस कोर्ट की सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। उधर, श्रीनगर के कई बाजार बंद हो गए। वहां भारी फोर्स तैनात है। कुछ इलाकों में पत्थरबाजी की घटनाएं भी सामने आईं। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में मोबाइल और इंटरनेट सर्विस फिलहाल सस्पेंड कर दी गई हैं।

यासीन की पत्नी ने की थी प्रेस कांफ्रेंस

यासीन मलिक की पत्नी मशाल मलिक इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर ले जाने की कोशिश कर रही हैं। एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, पाकिस्तान की रहने वाली यासीन मलिक की पत्नी मशाल मलिक ने सोमवार को इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।

यासीन को 9 मामलों में सजा

▪ IPC की धारा 120 बी के तहत 10 साल, 10 हजार जुर्माना	▪ UAPA की धारा 17 के तहत उम्रकैद और 10 लाख जुर्माना
▪ IPC की धारा 121 के तहत उम्रकैद, 10 हजार जुर्माना	▪ UAPA की धारा 18 के तहत 10 साल की सजा और 10 हजार जुर्माना
▪ IPC की धारा 121 ए के तहत 10 साल की सजा 10 हजार जुर्माना	▪ UAPA की धारा 20 के तहत 10 साल की सजा और 10 हजार जुर्माना
▪ UAPA की धारा 13 के तहत 5 साल की सजा, 5 हजार जुर्माना	▪ UAPA की धारा 38 और 39 के तहत 5 साल 5 हजार जुर्माना
▪ UAPA की धारा 15 के तहत 10 साल की सजा, 10 हजार जुर्माना	

UAPA (अनलॉफुल एक्टीविटिस प्रिवेंशन एक्ट)

अलगाववादी नेता के घर के बाहर पत्थरबाजी, सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे, इंटरनेट सेवा बंद

जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को सजा दिए जाने के पहले उसके श्रीनगर स्थित घर के बाहर भीड़ जमा हो गई। वहां सुरक्षाबल तैनात हैं। भीड़ में से कुछ लोगों ने सुरक्षाबलों पर पथराव किया। भीड़ को हटाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए श्रीनगर में मोबाइल, इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। सोशल मीडिया पर यासीन की बहन का एक फोटो भी वायरल है, जिसमें वह घर की खिड़की से दिखाई दे रही है। घर में कुछ महिलाएं मौजूद हैं। उन्होंने नारेबाजी भी की। श्रीनगर में पुलिस के साथ ही अर्द्ध सैनिक बल भी तैनात हैं। अफवाहें फैलने से रोकने के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। श्रीनगर शहर में ज्यादातर हिस्से बुधवार को बंद रहे। वहीं दुकानें और कारोबार भी बंद हैं। हालांकि, कुछ गाड़ियों की आवाजाही जारी है। सुरक्षाबल सतर्कता बनाए हुए हैं। सुरक्षाबलों की गश्त बढ़ाने के साथ ही जगह-जगह स्पेशल चेकिंग पॉइंट्स बनाए गए हैं। आने-जाने वाले लोगों की गहन तलाशी ली जा रही है। पुलिस, सेना व अर्धसैनिक बलों को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। इसके साथ ही बाहरी क्षेत्रों में भी सुरक्षाबलों के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं। कोई भी संदिग्ध व्यक्ति वारदात को अंजाम न दे पाए इसकी कोशिशें की जा रही है।

अदालत में यासीन की दलील

बुधवार को फैसला आने से पहले कोर्ट पहुंचे यासीन ने कहा, अगर मैं 28 साल के दौरान किसी आतंकवादी गतिविधि या हिंसा में शामिल रहा हूं और खुफिया एजेंसियां यह साबित कर देती हैं, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। मुझे फांसी मंजूर होगी। मैंने सात प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है। अपने लिए कुछ भी नहीं मांगूंगा। किस्मत का फैसला अदालत पर छोड़ता हूं।

मलिक ने आरोपों को चुनौती देने से कर दिया था इनकार

दोषी करार होने के बाद मलिक ने कोर्ट में कहा था कि वह यूएपीए की धारा 16 (आतंकवादी गतिविधि), 17 (आतंकवादी गतिविधि के लिए धन जुटाने), 18 (आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने), व 20 (आतंकवादी समूह या संगठन का सदस्य होने) और आईपीसी की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 124-ए (देशद्रोह) के तहत खुद पर लगे आरोपों को चुनौती नहीं देना चाहता। मलिक 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में कैद है।

दिल्ली- एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट

खुफिया एजेंसियों ने यासीन मलिक को सजा के बाद दिल्ली-एनसीआर में आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। इसके बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

कोई भी संदिग्ध व्यक्ति वारदात को अंजाम न दे पाए इसकी कोशिशें की जा रही है

डब्ल्यूईएफ की वर्षिक बैठक में नाटो महासचिव स्टोलटेनबर्ग बोले

रूस-यूक्रेन युद्ध ने सिखाया कितनी जोखिमपूर्ण हो सकती है किसी अधिनायकवादी शासन पर आर्थिक निर्भरता

संवाददाता / नई दिल्ली

स्वतंत्रता को मुक्त व्यापार से अधिक महत्वपूर्ण करार देते हुए नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि यूक्रेन युद्ध ने दुनिया को सिखाया है कि अधिनायकवादी शासन पर आर्थिक निर्भरता में बड़े जोखिम हैं। उन्होंने चीन को अधिनायकवादी सरकार का उदाहरण बताया। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) यूक्रेन का समर्थन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन नाटो सैनिकों को वहां भेजकर युद्ध में अपनी प्रत्यक्ष भागीदारी से इंकार कर दिया। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, हमने 2014 से यूक्रेन को अपना समर्थन प्रदान किया है, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। हम समर्थन जारी रखेंगे, लेकिन वहां नाटो सैनिकों को भेजकर हम सीधे युद्ध में शामिल नहीं होंगे। यह उकसाने के लिए नहीं बल्कि यह सुनिश्चित करने के लिए है कि हर सहयोगी सुरक्षित रहे।

यूक्रेन के प्रति पुतिन की आक्रामकता ने यूरोप की शांति भंग की

स्टोलटेनबर्ग ने कहा, यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के युद्ध ने यूरोप में शांति भंग कर दी है। रूस के आक्रमण के बाद से हमने अपना समर्थन काफी बढ़ा दिया है। नाटो की मुख्य जिम्मेदारी अपने सहयोगियों की रक्षा करना और इस युद्ध को बढ़ने से रोकना है। उन्होंने कहा नाटो में, हमने खुफिया जानकारी एकत्र की और यूक्रेन पर हमला करने के रूस के इरादों के बारे में अपनी जानकारी सार्वजनिक की। स्टोलटेनबर्ग ने कहा, 2014 में यूक्रेन पर पहले आक्रमण के बाद से, नाटो नजर रख रहा है। जब रूस ने इस साल फिर से यूक्रेन पर हमला किया तो हमने अपना समर्थन बढ़ाया। नाटो क्षेत्र पर किसी भी हमले का जवाब देने के लिए हमारे पास 1,00,000 सैनिक हाई अलर्ट पर हैं।

गंभीर ऊर्जा संकट के रूप में हमने देखी है रूस की बेरुखी

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2022 को संबोधित करते हुए स्टोलटेनबर्ग ने कहा कि यूक्रेन युद्ध ने हमें सिखाया है कि अधिनायकवादी शासन पर आर्थिक निर्भरता के भारी जोखिम हो सकते हैं जिसे हमने ऊर्जा संकट के रूप में देखा है। नाटो प्रमुख ने कहा, यह रूस के बारे में है। चीन भी अधिनायकवादी शासन है। हमें वास्तविकताओं का सामना करना होगा। मुक्त व्यापार की तुलना में स्वतंत्रता अधिक महत्वपूर्ण है और मूल्यों की रक्षा करना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ व्यापार करने के बहुत लाभ हैं, लेकिन जब 5जी नेटवर्क की बात आती है तो इसमें सुरक्षा संबंधी चिंताएं शामिल हैं और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

मुंबई में 12 करोड़ रुपये की अमेरिकी मुद्रा के साथ तीन सूडानी नागरिक पकड़े गए

मुंबई। सीमा शुल्क विभाग की वायु खुफिया इकाई (एआईयू) ने सूडान के तीन नागरिकों के पास से करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने मंगलवार को यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-2 के अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में एक जांच के दौरान दो सूडानी यात्रियों को हिरासत में ले लिया। अधिकारी के मुताबिक उनके हैंड बैगेज में करीब 5.6 करोड़ रुपये मूल्य के अमेरिकी डॉलर पाए गए। दोनों यात्रियों की पहचान अहमद मोहम्मद इस्माइल हराजा और एसाम अली ओमर मोहम्मद के रूप में हुई है, दोनों इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा जा रहे थे। इसके बाद सीमा शुल्क विभाग ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इसके बाद, एआईयू के अधिकारियों ने दक्षिण मुंबई में मोहम्मद अली रोड पर एक होटल पर छापा मारा और एक अन्य सूडानी नागरिक के पास से भारी मात्रा में अमेरिकी मुद्रा बरामद की। कुल बरामद की गयी अमेरिकी डॉलर की कीमत 12 करोड़ रुपये बताई जा रही है। सीमा शुल्क विभाग ने सूडान के तीनों नागरिकों को हिरासत में ले लिया।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने जातीय जनगणना की मांग उठाई

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को जातीय जनगणना की मांग उठाई और कहा कि सामाजिक समानता सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है। राकांपा के ओबीसी प्रकोष्ठ की एक बैठक को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि हर किसी वह मिलना चाहिए जिसका वह हकदार है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम कुछ भी मुफ्त नहीं मांग रहे हैं। जातीय जनगणना कराने के सिवा और कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति और जनजाति को संविधान द्वारा आरक्षण दिया गया जिससे उन्हें फायदा हुआ और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को भी इसी प्रकार के प्रावधानों की जरूरत है।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियां हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

मान सिंह राठौड़ भीलवाड़ा के मीडिया प्रभारी मनोनीत

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। रावणा राजपूत समाज के युवा नेता रहे स्वर्गीय आनन्दपाल सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर अगामी 24 जून से 24 जुलाई तक होने वाले रक्तदान शिविर में करेड़ा के मान सिंह राठौड़ को भीलवाड़ा का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है! राठौड़ की यह नियुक्ति मनजीतपाल सिंह सांवराद की सहमति से राष्ट्रीय संयोजक पहाड़ सिंह कुण्डल ने की हैं!

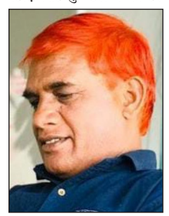

राठौड़ की इस नियुक्ति पर कई इष्ट मित्रों व शुभचिन्तको ने राठौड़ को बधाई दी है, जिनमें मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक एवं प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष भैरु सिंह राठौड़, वरिष्ठ समाजसेविका के. बी. सुखवाल (उदयपुर), वरिष्ठ पत्रकार सुश्री पुष्पा भाटी (श्रीगंगानगर), वरिष्ठ पत्रकार गणेश नारायण शर्मा (जयपुर), राजेन्द्र सिंह तोमर वरिष्ठ अधिवक्ता (हाईकोर्ट दिल्ली), पत्रकार रामसुख मेघवंशी (आमेसर), चामुण्डा सेना के नरेंद्र सिंह किशनावत (भीलवाड़ा) नरेन्द्र सिंह राठौड़ (जोधपुर), आशा कंवर जोधा (जोधपुर), चेतन सिंह, बजरंग सिंह, राजेन्द्र सिंह (लुहारिया), हरकिशन सिंह कानावत, नरेन्द्र सिंह (गुढ़ा), समुन्द्र सिंह, भवंर सिंह, पवन सिंह, गोविन्द सिंह परिवार आदि ने राठौड़ को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

AL HOOKAH
SHEESHA & FLAVOUR
Hookah Pot Starting Rs.499
All Flavours Rs.99
All Types of Hookah Flavours & Accessories Available
FREE HOME DELIVERY
Al.HOOKAH: Address, Shop No. 18, Parabha Apartment, Near Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104
7900061017 / 8652068644 / 8591456564

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

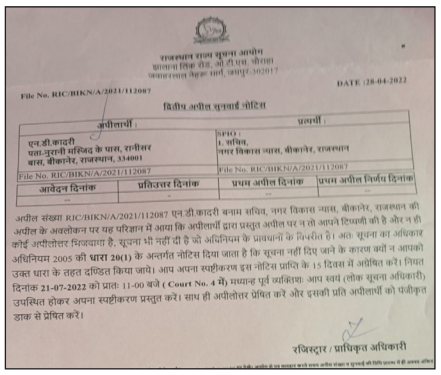

सचिव यूआईटी कि हठधर्मिता, हो रही सूचना आयोग की अवमानना तारीख पेशी पर नहीं हुएं आयोग कोर्ट में पेशः एन डी कादरी

राजस्थान राज्य सूचना आयोग
झालाना लिंक रोड, ओ.टी.एस. चौराहा
जवाहरलाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302017

File No. RIC/BIKN/A/2021/112087

DATE :28-04-2022

द्वितीय अपील सुनवाई नोटिस

अपीलार्थी :	प्रत्यर्थी :
एन.डी.कादरी पता-नुरानी मस्जिद के पास, रानीसर बास, बीकानेर, राजस्थान, 334001	SPIO : 1. सचिव, नगर विकास न्यास, बीकानेर, राजस्थान
File No. RIC/BIKN/A/2021/112087	File No. RIC/BIKN/A/2021/112087

आवेदन दिनांक	प्रतिउत्तर दिनांक	प्रथम अपील दिनांक	प्रथम अपील निर्णय दिनांक
--	-	--	--

अपील संख्या RIC/BIKN/A/2021/112087 एन.डी.कादरी बनाम सचिव, नगर विकास न्यास, बीकानेर, राजस्थान की अपील के अवलोकन पर यह परिज्ञान में आया कि अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील पर न तो आपने टिप्पणी की है और न ही कोई अपीलोत्तर भिजवाया है, सूचना भी नहीं दी है जो अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। अतः सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की **धारा 20(1)** के अन्तर्गत नोटिस दिया जाता है कि सूचना नहीं दिए जाने के कारण क्यों न आपको उक्त धारा के तहत दण्डित किया जाये। आप अपना स्पष्टीकरण इस नोटिस प्राप्ति के 15 दिवस में अग्रेषित करें। नियत दिनांक **21-07-2022** को प्रातः 11-00 बजे **(Court No. 4 में)** मध्यान्ह पूर्व व्यक्तिशः आप स्वयं (लोक सूचना अधिकारी) उपस्थित होकर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें। साथ ही अपीलोत्तर प्रेषित करें और इसकी प्रति अपीलार्थी को पंजीकृत डाक से प्रेषित करें।

रजिस्ट्रार / प्राधिकृत अधिकारी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। सूचना आयोग जयपुर कोर्ट में सुनवाई के दौरान एन डी कादरी ने आयोग को बताया कि आपके दोनों नोटिस सितंबर 2021 एवं 24 दिसंबर 2021 जिसमें आपने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 'क्यों न आपको धारा 20 (1) में दंडित किया जाए' साथ ही नोटिस प्राप्ति के पंद्रह दिन में सूचना देने के निर्देश दिए गए थे' पर भी पालना नहीं की जा रही है। जब की मौजुदा चैयरमेन एवं जिला कलेक्टर बीकानेर ने भी सूचना देने के निर्देश दिए थे। लेकिन सचिव यूआईटी ने पुरी तरह हठधर्मिता धार रखीं हैं सूचना नहीं देने व जनहित के कार्यों को नजर अंदाज कर रहे हैं। यह सुन आयोग ने एक मौका और देते हुए। तारीख 21.07.2022 को व्यक्तिगत पेश होने का नोटिस देते हुए कहा कि अब दौराने सुनवाई उपस्थित नहीं होने तथा सुचना नहीं देने पर दंडित ही किया जायेगा। और कोई मौका नहीं देंगे ज्ञात रहे सूचना अधिकार के अंतर्गत नूरानी मस्जिद रानीसर बास निवासी एन. डी. कादरी ने सूचना मांगी है। सुनवाई के दौरान कादरी ने आयोग को बताया कि सचिव यूआईटी ने अपीलार्थी को पत्र में क्रमांक-न.वि.न्यास/लो.सू.अ/बीका/2022/353 दिनांक 18.01.2022 में दर्शाया है कि अपीलार्थी ने पंडित धर्मकांटे के पीछे वैध मधाराम कॉलोनी आम गली को लोहे के गाटर से बंद करने की शिकायत करते हुए आमजन के लिए रास्ता खोलने तथा असामजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही करने करने का निवेदन किया है। एन.डी. कादरी ने कहा कि ऐसा किसी भी अतिक्रमण होने अथवा हटाने की बात सूचना आवेदन पत्र में ही दर्ज नहीं है। यह पुरी तरह टालमटोल और गुमराह कर आप सूचना आयोग जयपुर के आदेशों की अवहेलना है। अगर वैध मधाराम कॉलोनी पंडित धर्म काटे के पिछे कोई अतिक्रमण यू.आई.टी. ने पाया है तो हटाने कि जिम्मेदारी विभाग की है, ना कि किसी आर.टी.आई. कार्यकर्ता की। इस बाबत सभी दस्तावेज भी कादरी आयोग के समक्ष पेश किए। अपीलार्थी अपेक्षा करता है कि धारा 6 (1) आवेदन में मांगी सूचना दिलवाने तथा उक्त के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

कानपुर में नाबालिग के धर्म परिवर्तन मामले में इंस्पेक्टर और चौकी इंचार्ज सस्पेंड

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। प्रभावी कार्रवाई के मामले में पुलिस की लापरवाही और हीला हवाली के चलते एक नाबालिक बच्चे का धर्म परिवर्तन करा दिया गया, जिसकी जानकारी होने के बाद यहां के कमिश्नर विजय सिंह मीणा ने काका देव के इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता और पांडू नगर चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह मामला कुछ दिन पहले का है, जिसकी सूचना पुलिस को भी दी गई, लेकिन उसने समय रहते कार्रवाई नहीं की, जिसके फलस्वरूप धर्म परिवर्तन कराने वाले अपने इरा दे में सफल रहे और उन्होंने एक नाबालिग बच्चे का धर्म परिवर्तन करा दिया, जिसकी जानकारी होने के बाद ही पुलिस कमिश्नर विजय सिंह

मीणा ने इंस्पेक्टर राम कुमार गुप्ता और चौकी प्रभारी पांडव नगर को सस्पेंड कर दिया। मामले की जांच एसपी के हवाले की गई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक धर्म परिवर्तन की इस मामले में 16 साल के एक लड़के की शादी लगभग 40 साल की एक मुस्लिम महिला से करा दी गई इस मामले में पुलिस ने निकाह कराने वाले मौलाना को गिरफ्तार करने के साथ ही चार अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है जानकारी होने पर यह मामला सबसे पहले बजरंग दल वालों ने उठाया। उनका आरोप है कि स्थानीय पुलिस से मामले की शिकायत की गई थी लेकिन उसने क कोई कार्रवाई नहीं की, जिसके चलते ही धर्म परिवर्तन कराने वाले अपने ही इरादे में सफल रहे। धर्म परिवर्तन के इस मामले में पुलिस की हीलाहवाली और लापरवाही के फलस्वरूप ही काकादेव के प्रभारी निरीक्षक राम कुमार गुप्ता और चौकी इंचार्ज को भी सस्पेंड कर दिया गयाक फिलहाल धर्म परिवर्तन कराने का यह मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी भारत बंद के समर्थन में रैली प्रदर्शन किया गया

संवाददाता

मधुबनी। 25 मार्च 2022 को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के आह्वान पर राष्ट्रव्यापी भारत बंद के समर्थन में मधुबनी जिले की रेलवे स्टेशन, थाना मोड़ एवं समाहरणालय के सामने जाम करते हुए रैली प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी नेता मान्यवर राम सुदिष्ट यादव एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मान्यवर विजय ठाकुर ने किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना समर्थन एवं भागीदारी देने में बहुजन क्रांति मोर्चा के प्रमंडलीय संयोजक

ई.रंजीत कुमार, बहुजन क्रांति मोर्चा के प्रदेश संयोजक राजेश मंडल, बहुजन क्रांति मोर्चा जिला सचिव राजीव कुमार पासवान, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष राजकुमार यादव, बेरोजगार मोर्चा के जिला अध्यक्ष राम प्रकाश राम, विद्यार्थी मोर्चा के जिला अध्यक्ष कमलेश पासवान, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राम एकबाल यादव, राज कुमार यादव, राजेन्द्र साह, अशोक यादव, प्रवीण यादव, मुस्लिम मोर्चा के जिला संयोजक मोहम्मद मुमताज आलम, राजेश राम, किसान मोर्चा जिला संयोजक कृष्णदेव सिंह कुशवाहा, अधिवक्ता मोर्चा के संयोजक संजय दास, राम पुकार ठाकुर, रतन पासवान, मोहन पासवान, शिवा पासवान, नरेश पासवान, कविता पासवान, रमेश कामत, तेज कुमार, आदि क्षेत्रों कार्यकर्ता की मांग को लेकर प्रदर्शन रैली में भाग लिया।

विधानसभा सत्र के दौरान अखिलेश और योगी में चलें शब्दों के बाण

नई सरकार के पहले सत्र के पहले दिन राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान जहां विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की तस्वीर दिखी, वहीं दूसरे दिन मौजूदा और पूर्व मुख्यमंत्री के बीच तीखी नोकझोंक सुनाई दी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलायम सिंह यादव के बयान का भी जिक्र किया। योगी ने कहा कि बीजेपी सरकार यह नहीं कहती है कि 'लड़कों से गलती हो जाती है।' रेप आरोपियों को फांसी की सजा का विरोध करते हुए अखिलेश यादव के पिता और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने एक रैली में कहा था, लड़के लड़के हैं, गलती हो जाती है।"

मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक राठौड़ समाज सजग पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बने

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मुंबई हलचल के राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ सजग समाज पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किए गए हैं! राठौड़ कई राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्रों तथा पत्रकार संगठन में विभिन्न पदों में तथा टीवी चैनलों में काम कर चुके हैं! दैनिक नवज्योति से पत्रकारिता की शुरूआत करने वाले राठौड़ ने दैनिक भास्कर, दैनिक अमर स्तम्भ, दैनिक दि ग्राम टुडे, दैनिक सहारा टुडे, दैनिक रोजाना टाइम्स, अमृत राजस्थान साप्ताहिक (जयपुर), पृथ्वी मंथन (पाक्षिक) सिरोही, किसान फीचर्स (मासिक) नई दिल्ली के वरिष्ठ संवाददाता, 2004 में भारतीय कृषि पत्रकार संघ के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष तथा 2005 में भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष व 2009 में करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा, भरतपुर के प्रभारी तथा 2020 में राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं! अभी हाल ही में 2022 में प्रेस वेलफेयर फाउंडेशन ट्रस्ट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं! अभी दैनिक मुंबई हलचल, दैनिक भोपाल मेट्रो न्यूज, दैनिक रीडर्स मैसेंजर के राजस्थान संपादक, दैनिक वतन जन आवाज के विशेष संवाददाता तथा दैनिक कृष्ण उजाला के संवाददाता के रूप में कार्यरत हैं तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ग्रामीण इंडियन न्यूज के राजस्थान प्रभारी व मेट्रो नाउ इंडिया चैनल के भीलवाड़ा ब्यूरो चीफ रह चुके हैं! अभी वर्तमान में सैटेलाइट चैनल आवाज न्यूज 24 के भीलवाड़ा ब्यूरो चीफ के पद पर कार्यरत हैं।

गैंगस्टर विकास दुबे की संपत्तियों को सील करने की प्रक्रिया शुरू

कानपुर। मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे और उसके रिश्तेदारों की संपत्तियों को सील करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक 50 करोड़ रुपये की संपत्ति को सील कर दिया गया है। तहसील सभागार में पंचायत भवन में रखे मारे गए गैंगस्टर के करीब 653 बोरी खाद्यान्न की भी नीलामी की गई। जब्त की गई अधिकांश संपत्तियां कृषि भूमि हैं। तहसीलदार बिल्हौर ने थाने के 'मलखाना' में चाबियां सील कर जमा कर दी हैं। जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अदालत ने हाल ही में मारे गए अपराधी विकास दुबे की कानपुर, लखनऊ और कानपुर देहात में करीब 67 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया था। तहसीलदार बिल्हौर को रिसीवर बनाया गया। तहसीलदार ने विकास दुबे, उनके पिता राम कुमार दुबे, पत्नी ऋचा दुबे, उनके बेटे आकाश दुबे, शांतनु दुबे, बहनोई दिनेश कुमार तिवारी, बहन चंद्रकांति, रेखा दुबे और एक करीबी गोविंद सैनी की संपत्तियों को सील कर दिया। पुलिस ने गैंगस्टर और उसके परिजनों के घरों में ताला लगा दिया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सुबह या रात, क्या आप जानते हैं केला खाने का सही समय?

हर मौसम में आसानी से मिलने वाला केला खाना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। विटामिन, प्रोटीन, आयरन, पोटेशियम, फाइबर, फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इसका सेवन वजन बढ़ाने के साथ-साथ ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों से भी बचाता है। मगर इसका आपका आपको तभी मिलेगा और जब आप इसे सही तरीके व समय पर खाएंगे। जी हां, आयुर्वेद के अनुसार केला खाने का भी एक उचित वक्त और तरीका होता है, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

केला खाने का सही समय

आयुर्वेद की मानें तो केला खाने का बेस्ट टाइम सुबह 8 बजे से लेकर 11 बजे तक होता है। केले का सेवन सुबह नाश्ते में करना सबसे ज्यादा फायदेमंद होता है लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि आप इसे खाली पेट ना खाएं। दरअसल, हाई मैग्नीशियम फूड्स होने के कारण इसे खाली पेट खाने से खून में कैल्शियम और मैग्नीशियम की मात्रा बिगड़ जाती है। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई भी बीमारी है तो गलती से भी इसका सेवन ना करें। कुछ लोग रात के समय केला खाना पसंद करते हैं लेकिन इसका सेवन सिर्फ सुबह व दोपहर तक ही करना चाहिए। शाम या रात को इसका सेवन करने से आपको खांसी की समस्या हो सकती है। साथ ही रात में केला खाने से नींद भी नहीं आती क्योंकि रात में यह अच्छी तरह डाइजेस्ट नहीं होता, जिससे पेट भी खराब होता है और नींद भी खलल पड़ता है।

केला खाने का सही तरीका

अगर आप केले के साथ ड्राई फ्रूट्स या दूसरे फल जैसे सेब या अनार भी मिक्स करके खाएंगे तो आपको इसका ज्यादा फायदा मिलेगा। वहीं अगर आप वजन बढ़ाना चाहते हैं तो दूध के साथ इसका सेवन करें। इसके अलावा जो लोग वजन घटाना चाहते हैं तो वो इसका शेक बनाकर पी सकते हैं। दरअसल, इससे पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और वेट लूज करने में मदद मिलती है।

इन महिलाओं के लिए बेस्ट ऑप्शन

शोध के अनुसार, केला उन महिलाओं के लिए बेस्ट ऑप्शन है जो बहुत मसालेदार स्ट्रीट फूड खाती हैं। मगर इसे रात में नहीं खाना चाहिए नहीं तो यह पेट में अल्सर बनाने और हार्ट बर्न करने का काम करता है। आप सुबह नाश्ते या दोपहर को इसका सेवन कर सकती हैं।

केला खाने के कुछ ऐसे फायदे बताते हैं

● **मिलती है एनर्जी** - सुबह 1 खाना खाने से दिनभर शरीर में एनर्जी बनी रहती है, जिससे आप फ्रैश फील करते हैं। साथ ही इससे रात में नींद भी अच्छी आती है।

● **वजन घटाने में मददगार** - एक केले में सिर्फ 105 कैलोरी होती है। आप ब्रेकफास्ट में 2 केले और 1 कप स्किम्ड मिल्क ले सकती हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलेगी।

● **डाइजेशन** - केले में पाए जाने वाले फाइबर से डाइजेशन सिस्टम सही रहता है, जिससे आप कई बीमारियों से बचे रहते हैं। इसके साथ ही इससे आपको पेट से जुड़ी प्रॉब्लम और एसिडिटी की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

● **हेल्दी हार्ट** - केले में भरपूर फाइबर, पोटैशियम, कैल्शियम और विटामिन सी की मात्रा होती है। रोज 1 केले का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल रहता है और आप दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं।

● **डिप्रेशन से राहत** - मानसिक तनाव को दूर करने में केला बहुत फायदेमंद है। इसमें ट्रीप्टोफन नाम का तत्व पाया जाता है। खाना खाने के बाद रोजाना केले का सेवन करने से तनाव दूर रहता है।

● **वजन बढ़ाए** - वजन बढ़ाने के लिए केला बहुत फायदेमंद होता है। हर रोज 2-3 केले खाने से या इसका शेक पीने से पतले लोग मोटे हो सकते हैं। इसलिए पतले लोगों को वजन बढ़ाने के लिए केले का किसी भी रूप में सेवन जरूर करना चाहिए।

● **यादाशत बढ़ाए** - केला विटामिन बी 6 का एक बढ़िया स्रोत है जोकि नर्वस सिस्टम को ठीक रखता है। इसके अलावा याददाश्त और दिमाग तेज करता है।

● **व्हाइट डिस्चार्ज में फायदेमंद** - केला और दूध की खीर को सुबह या शाम खाने से व्हाइट डिस्चार्ज से आराम मिलता है। इसके अलावा व्हाइट डिस्चार्ज को दूर करने के लिए आप दूध, केला और शहद को मैश करके भी खा सकते हैं।

55 की उम्र में भी 25 की लगती हैं नीता अंबानी, जानिए उनके 6 ब्यूटी सीक्रेट्स

भारत के सबसे अमीर बिजनेसमैन की पत्नी नीता अंबानी को तो हर कोई जानता है। फैमिली बिजनेस में एक्टिव होने के साथ नीता बॉलीवुड इवेंट्स में भी नजर आती रहती है। जहां पार्टी में नीता एक से बढ़कर एक ड्रैसेज में नजर आती हैं वहीं ग्लोइंग स्किन से उनकी उम्र का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। मगर क्या आप जानते हैं कि वह इस उम्र में अपनी यंग स्किन को कैसे मेंटेन करती हैं। चलिए आज हम आपको यही बताते हैं कि इस उम्र में भी नीता की स्किन कैसे ग्लोइंग नजर आती है।

लेती हैं खास डाइट

नीता के शेफ के मुताबिक, उनके लिए खासतौर पर हरी सब्जियां, जूस और ऑयल फ्री व मसाला रहित खाना बनाया जाता है। इससे ना सिर्फ वो बिल्कुल फिट रहती हैं बल्कि यह उनकी स्किन को भी ग्लोइंग बनाता है।

डिटॉक्स वॉटर

अक्सर बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए लोग भरपूर पानी या कोई खास ड्रिंक पीते हैं लेकिन नीता की डाइट में 5 तरह की डिटॉक्स ड्रिंक शामिल होती है। इससे ना सिर्फ बॉडी व स्किन डिटॉक्स होती है बल्कि यह उन्हें एंटी-एजिंग समस्याओं से बचाने में भी मदद करता है।

चुकंदर का जूस

वह रोजाना एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चुकंदर का जूस पीती हैं। इससे शरीर में खून की कमी पूरी होता है और यह ब्लड सकुर्लेशन को भी बेहतर बनाता है। इतना ही नहीं, नीता की ग्लोइंग लाल गालों का राज भी चुकंदर का जूस ही है।

पालक का जूस

स्किन को यूथफुल बनाने के लिए नीता अंबानी रोजाना पालक, धनिया और नींबू के रस से बना डिटॉक्स ड्रिंक पीना पसंद करती हैं। इससे ना सिर्फ उन्हें एनर्जी मिलती है बल्कि यह उन्हें एंटी-एजिंग से बचाने में भी मदद करता है।

मल्टी ग्रेन ब्रेड

त्वचा की सेहत के लिए फाइबर बहुत ही अच्छा होता है। सबसे ज्यादा फाइबर फ्रूट्स में होता है। मगर, आप मल्टी ग्रेन ब्रेड को खा कर भी फाइबर का इनटेक कर सकती हैं। नीता अंबानी नाश्ते में डेली मल्टी ग्रेन ब्रेड खाती हैं। इसमें पांच तरह क अनाज मिले होते हैं। इससे भूख भी मिट जाती है और भारीपन भी नहीं लगता।

कोकोनट वॉटर

वह दिन में एक बार नारियल पानी का सेवन भी जरूर करती हैं। नारियल पानी एंटी माइक्रोबियल और एंटी फंगल होता है, जो उनकी स्किन को एंटी-एजिंग समस्याओं से बचाने के साथ ग्लोइंग भी बनाता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक बार फिर कैंसर पर छलका सोनाली बेंद्रे का दर्द

सोनाली बेंद्रे ने जब अपने कैंसर की खबर फैंस को दी थी वो सब हैरान रह गए थे। जितना डर एक्ट्रेस के मन में था उतना ही फैंस भी घबराये हुए थे। ये जर्नी एक्ट्रेस के लिए बिल्कुल भी आसान नहीं रही। कैंसर से लड़ने के लिए उन्हें काफी कुछ सहना पड़ा और आज तक इसका असर उनके ऊपर दिखाई देता है। वैसे इन दिनों वो रियलिटी शोज को जज करती दिखाई दे रही है। सोनाली बेंद्रे जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाली है। वो 'द ब्रोकन न्यूज' के जरिए एक जर्नलिस्ट की भूमिका में दोबारा एक्टिंग की दुनिया में कदम रखेंगी। बता दें कि सोनाली की ये पहली सीरीज है, जिसमें वह कैंसर से उबरने के बाद एक्टिंग करती नजर आएंगी। सीरीज की शूटिंग शुरू करने से पहले एक्ट्रेस ने एक बार फिर कैंसर से अपनी लड़ाई की बातें शेयर की। एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान का समय उनके लिए कितना दर्दनाक था। हालांकि उन दर्दनाक अनुभव के बाद अब जीवन के प्रति उनका नजरिया काफी बदल गया है। बता दें कि साल 2018 में सोनाली को हाई ग्रेड का कैंसर डाइग्नोस हुआ था, जिसके बाद पांच महीने तक न्यूयॉर्क में सोनाली का इलाज चला। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान सोनाली का परिवार काफी स्ट्रेस में था। भले ही वो पल उनके और परिवार के लिए बेहद दर्दनाक थे लेकिन उन्हें उम्मीद थी एक दिन सब कुछ ठीक हो जाएंगा। उस मुश्किल वक्त में भी सोनाली ने हमेशा अपने अंदर पॉजिटिविटी ही महसूस कीं और उन कड़वे अनुभवों में उन्होंने बहुत कुछ सीखा है।

मैं बचपन से ही विद्रोही तेवर वाली और स्वछंद रही हूं: फातिमा सना शेख

अभिनेत्री फातिमा सना शेख का कहना है कि वह बचपन से ही हमेशा अपने मन की करती आईं हैं और उनका मानना है कि जिंदगी एक ऐसा सफर है, जिसमें खुद का ख्याल रखने और इसे खुलकर जीने की जरूरत है। हाल में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'मॉडर्न लव मुंबई' में अभिनय के लिए सना की काफी सराहना हो रही है। इस सीरीज में सना ने एक ऐसी महिला की भूमिका निभाई है, जिसका पति उसे छोड़ देता है, लेकिन इसके बावजूद वह अपनी जिंदगी को खुलकर जीती है। फातिमा सना ने कहा, मैं बचपन से ही विद्रोही तेवरों वाली और स्वछंद रही हूं। बेशक, जब आपका कोई रिश्ता टूटता है, तो आपको लगता है कि सब कुछ खत्म हो गया है। लेकिन, एक पल में ही आपको एहसास होता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपको बस अपना ख्याल रखना है। जिंदगी चलती रहती है और कुछ समय बाद सब ठीक हो जाता है। सना ने कहा, जब मैं छोटी थी तब मैंने बाइक चलाना सीखा। मैंने वह सब कुछ किया है जो मैं करना चाहती थी और जिसकी समाज में एक तरह से अनुमति नहीं है। जिंदगी में आप हमेशा एक अलग भावनात्मक अवस्था में होते हैं।

रतन टाटा परिवार पर बनेगी 'द टाटा' फिल्म

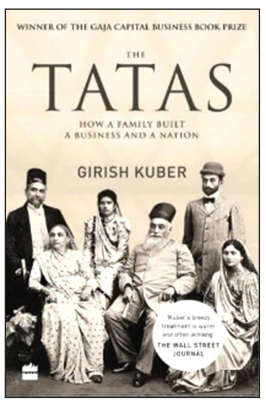

देश के सबसे बड़े बिजनेस मैन रतन टाटा को हर कोई उनके नाम और बिजनेस से पहचानता है। उनके बिजनेस के चर्चे देश में ही नहीं बल्कि बाहर देशों में भी रतन टाटा की पहचान है। रतन टाटा के साथ-साथ उनके परिवार की भी कई कहानियां है। और इस नामी परिवारों की कहानियों को जानने के लिए आम जनता की काफी दिलचस्पी भी होती है। इसी बीच अब खबर है कि फिल्म निर्माता भी इन किस्से-कहानियों को फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर सबके सामने लाना चाहते है। जी हां, एक बार फिर एक बड़े बिजनेस परिवार की कहानी बड़े पर्दे पर आने वाली है। जो होगी, बिजनेस परिवार- टाटा परिवार। आपको बता दें, टी-सीरीज ने अपने सोशल मीडिया के ऑफिशियल पेज पर एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें बताया गया है कि जल्द ही टाटा परिवार पर फिल्म बनने वाली है। अब इसका टी-सीरीज ने आधिकारिक ऐलान कर चुके हैं। बता दें, इस टाटा परिवार की कहानी को लोगो तक पहुंचाने के लिए टी-सीरीज और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स साथ में आए हैं। इन दोनों ने साथ में मिलकर इस दिग्गज बिजनेस घराने की कहानी के अधिकार भी खरीद लिए गए हैं। तो वहीं इन तीन पीढ़ियों तक ये परिवार देश को बनाने में भागीदार रहा है। बता दें, टी-सीरीज के इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया है। जिसके कैप्शन में लिखा है, टी-सीरीज और ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स मिलकर दुनिया के सामने देश के महान बिजनेस परिवार की कहानी सामने ला रहें हैं। साथ में हैशटैग के साथ 'द टाटा' लिखा है।